**भारत सरकार**

**कारपोरेट कार्य मंत्रालय**

**लोकसभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या. 90**

**(जिसका उत्तर सोमवार, 10 फरवरी, 2025/21 माघ, 1946 (शक) को दिया गया)**

**रोजगार बढ़ाने के लिए पीएम इंटर्नशिप योजना पर पुनःकार्य**

***90. श्री सुधीर गुप्ताः**
**श्री धैर्यशील संभाजीराव माणेः**

क्या **कारपोरेट कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश में रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनी प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना पर पुनःकार्य कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने उक्त योजना के तहत कुछ राज्यों में एक प्रायोगिक चरण आरंभ किया हैं;
(ग) यदि हां, तो और प्रायोगिक चरण के परिणाम और निष्कर्ष सहित तत्संबंधी राज्यवार और जिलावार ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने उक्त योजना के संचालन के तौर-तरीकों को अंतिम रूप दे दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त योजना कब तक पूरी तरह से लागू होने की संभावना है; और
(ङ) उक्त योजना के शुभारंभ के उपरांत इसके तहत अब तक निर्धारित/संस्वीकृत/उपयोग की गई कुल राशि का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**वित्त और कारपोरेट कार्य मंत्री (श्रीमती निर्मला सीतारमण)**

**(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया है।**

*****

**'रोजगार बढ़ाने के लिए पीएम इंटर्नशिप योजना पर पुन: कार्य' के संबंध में 10 फरवरी, 2025 को उत्तरार्थ लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 90 के भाग (क),(ख),(ग),(घ) और (ङ) के उत्तर में संदर्भित विवरण**

(क) से (घ): बजट 2024-25 में घोषित प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) का लक्ष्य पांच वर्षों में शीर्ष 500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को 12 महीने के लिए वास्तविक जीवन के कारोबारी माहौल, विभिन्न व्यवसायों और रोजगार के अवसरों का अनुभव प्राप्त होगा, जिसका उद्देश्य अकादमिक शिक्षा और उद्योग की अपेक्षाओं के बीच के अंतर को कम करके रोजगार क्षमता को बढ़ाना है। पीएमआईएस की शुरुआत के रूप में, कारपोरेट कार्य मंत्रालय ने 3 अक्टूबर, 2024 को योजना की एक प्रायोगिक प्रोजेक्ट का आरम्भ किया है, जिसका लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1.25 लाख इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना प्रायोगिक परियोजना के विवरण वाले दिशानिर्देश https://pminternship.mca.gov.in पर उपलब्ध हैं। प्रायोगिक परियोजना के पहले राउंड में, कंपनियों ने सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में शासित प्रदेशों में विभिन्न क्षेत्रों में 1.27 लाख से अधिक अवसर प्रदान किए। पीएम इंटर्नशिप योजना प्रायोगिक प्रोजेक्ट का दूसरा राउंड 9 जनवरी, 2025 से आरम्भ हो गया है और कंपनियाँ नए इंटर्नशिप अवसरों को पोस्ट करने के साथ-साथ रिक्त पड़े इंटर्नशिप अवसरों को संपादित करने की प्रक्रिया में हैं।

प्रायोगिक प्रोजेक्ट एक महत्वपूर्ण चरण है जो पूर्ण पैमाने पर कार्यान्वयन से पहले अवधारणाओं, रणनीतियों और प्रणालियों का परीक्षण करने की अनुमति देता है। पायलट प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन के दौरान प्राप्त फीडबैक और परिणामों के मूल्यांकन के आधार पर, बजट 2024-25 में घोषित पीएम इंटर्नशिप योजना के पहले चरण को शुरू करते समय सीखे गए सबक को ध्यान में रखा जाएगा।

पीएम इंटर्नशिप योजना पायलट प्रोजेक्ट के दिशा-निर्देशों में डिजाइन, कार्यान्वयन, संचालन और अन्य पहलुओं की देखरेख के लिए उद्योग प्रतिनिधियों सहित सभी हितधारकों को शामिल करते हुए एक निगरानी और संचालन समिति के गठन का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, पायलट प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन के दौरान परिणामों की ट्रैकिंग के साथ-साथ सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए एक समवर्ती निगरानी, मूल्यांकन और लर्निंग (एमईएल) ढांचा भी प्रदान किया गया है।

(ङ): योजना की पायलट प्रोजेक्ट के लिए, 840 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। अब तक, लगभग 48 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

*****